

## पोषण स्तर एवं मानवमितीय का एक भौगोलिक अध्ययन (रीवा जिले की रामयपुर कर्चुलियान तहसील के सम्बन्ध में)

डॉ. (श्रीमती) सुशीला द्विवेदी<sup>1</sup> एवं सोनम साकेत<sup>2</sup>

विभागाध्यक्ष (भूगोल), शासकीय महाविद्यालय, रायपुर कर्चुलियान, रीवा (म.प्र.)

शोधार्थी, शोध-केन्द्र भूगोल विभाग, शासकीय टाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

**शोध सारांश:** अध्ययन क्षेत्र रीवा जिला मध्य प्रदेश का एक ग्रामीण परिवेश वाला भू-क्षेत्र है। ग्रामीण क्षेत्र की अधिकता होने के कारण इसकी कुछ अलग समस्याएँ हैं। क्षेत्र की आबादी का एक बड़ा हिस्सा कुपोषण जनित स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित है। क्षेत्र में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी विषय पर किया गया भौगोलिक अध्ययन चिकित्सा भूगोल के क्षेत्र में एक विशिष्ट अध्ययन होगा। अध्ययन के दौरान रीवा जिले के रायपुर कर्चुलियान तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में पायी जाने वाली बीमारियाँ जो वहाँ के लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं, उनके कारण, प्रभाव, परिणाम एवं निदान के उपाय का अध्ययन, विश्लेषण किया गया है। पोषण विश्लेषण से यह तथ्य स्पष्ट होता है कि कैलोरी एवं प्रोटीन का उपभोग सीमान्त एवं भूमिहीन जोत वर्ग के कम एवं वृहद जोत वर्ग में अधिक है। यही प्रतिरूप ऊँचाई एवं जोत वर्ग में भी परिलक्षित होता है। इस तरह यह परिकल्पना कि आयु के साथ ऊँचाई, उम्र, लिंग, आहार एवं आयु व्यक्ति के वजन को प्रभावित करता है। स्वस्थ व्यक्ति सम्पूर्ण राष्ट्र की पूँजी होती है। सामान्य वजन के व्यक्तियों को स्वस्थ नागरिक कहा जाता है। न्यून एवं अधिक वजन के व्यक्ति बीमारी से ज्यादा प्रभावित होते हैं।

**मूल शब्द:** रायपुर कर्चुलियान, तहसील, रीवा जिला, पोषण स्तर, मानवमितीय।

**सन्दर्भ स्रोत:**

- [1]. सिंघई, जी.सी. – चिकित्सा भूगोल, वसुंधरा प्रकाशन, गोरखपुर, पृ. 230
- [2]. आर्य, सत्यदेव – आहार एवं पोषाहार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर पृ. 72.
- [3]. अनीता पाण्डेय (1999) ने शहडोल जिले में जनजातियों में कुपोषण एवं अल्पजनित रूग्णता का अध्ययन, अप्रकाशित शोध प्रबंध, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
- [4]. जिला सांख्यिकी पुस्तिका रीवा
- [5]. कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख, रायपुर कर्चुलियान रीवा (म.प्र.), 2011.